राजस्थान का जगनानी परिवार

भारत के राजस्थान प्रांत में एक शहर झुंझनू जो जिला भी है, शेखावाटी क्षेत्र में आता है। वहाँ के वासिंदो में जगनानी परिवार थे। जगनानी परिवार वहाँ से व्यापार एवं अन्य कारणों से भारत के भिन्न भिन्न प्रांतों में, मुख्यतः बिहार, कलकत्ता एवं बम्बई जा बसे। वैसे ही परिवार का एक सदस्य, वृक्ष की एक डाली, मैं वृक्ष की मूल रूप से चर्चा कर रहा हूँ।

जगनानी परिवार का एक वृक्ष जिसके मूल बीज श्री स्व. मोती लाल जी थे। उनकी पत्नि का नाम मोहरी देवी था। उनके दो पुत्र थे, स्व. श्री रिखी राम जी एवं स्व. श्री मंगलचन्द जी। दोनों की पत्नियों का नाम सूरजी देवी एवं सरस्वती देवी था। श्री रिखी राम जी के संतानों का ब्यौरा इस प्रकार है। पुत्र सांवलराम, बिहारी लाल, चिरंजीलाल, कुंजी लाल, लीलाधर एवं पुत्री लक्ष्मी बाई एवं झिमी बाई। चिरंजी लाल जी की असमय मृत्यु हो गयी थी। मंगलचन्द जी को कोई संतान न थी, अतः सांवलराम जी उनके गोद गए थे।

लक्ष्मी बाई का विवाह गाडिया परिवार झुंझनू में हुआ। उनकी तीन संताने थी। बाबू लाल, मनोहर लाल, एवं मणी बाई। झिमी बाई का विवाह राजस्थान के मलसीसर में केडिया परिवार में हुआ जो बहुत कम उम्र में विधवा हो गयी। कालान्तर में यह परिवार गुजरात के अहमदाबाद में आ बसा। झिमी बाई ने अपने देवर नन्द लाल जी को गोद ले लिया, जिनसे बासुदेव, कन्हैया, मुरारी लड़के एवं शारदा, चार बच्चे।

[redacted] सन 1920 के आस पास, श्री मंगलचन्द जी एवं श्री रिखीराम जी जयपुर राजा की फौज की नौकरी छोड़ कर, बिहार के महाराजगंज [redacted] जिला छपरा। सारण। बाद में सीवान जा बसे। सांवलराम जी ने बिहार के हरसिद्धि, बरौली एवं छपरा में नौकरी की और कालान्तर में 1945 में नमक का व्यवसाय शुरु किया। बिहारी लाल जी ने भी छपरा में नौकरी की। बिहारी लाल, कुंजलाल एवं लीलाधर जी ने महाराजगंज में सूत एवं किरासन तेल का व्यापार किया। फिर वहीं एक आलीशान बिहारीभवन बनाया एवं, बगीचा, गोदाम, जमीनें, दुकान आदि बनवाए। सांवलराम जी ने नमक का व्यवसाय गुजरात के जामनगर में 1952 में शुरु किया।

सांवलराम [redacted] जी की पत्नी बनारसी देवी थीं और विवाह टेकरीवाल परिवार में यू.पी. प्रांत के बहराइच जिले के नानपारा शहर में हुआ जो कालांतर में बहराइच भी बसे। बिहारीलाल जी, पत्नि पार्वती देवी का विवाह बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ। कुंजीलाल[redacted] का विवाह यू.पी. के लखनऊ शहर में हुआ। लीलाधर जी, पत्नि गिनिया देवी का विवाह यू.पी. के गोरखपुर के पास फरिंदा में हुआ।

सांवलराम की एक ही लड़की सीता बाई का विवाह माधोगढ़िया परिवार में बिहार [redacted] के बेतिया शहर में छपरा से सन 1940 में हुआ। बड़े पुत्र काशीनाथ पत्नि गिनिया देवी का विवाह, यू.पी. के मटेरा शहर में हुआ। द्वितीय पुत्र जुगल किशोर का विवाह पत्नि भगवती देवी, रूंगटा परिवार में, बिहार के बेगूसराय में 1948 में हुआ। ये आर. एस. एस. के स्वयं सेवक होने के चलते 1948 में गांधी जी हत्या के सिलसिले में जेल भी गए थे। तीसरे पुत्र धर्मनाथ जगनानी, पत्नि फूलवती देवी, का विवाह कटिहार के भोपालका परिवार में 1954 में हुआ। चतुर्थ पुत्र नन्द किशोर [redacted], पत्नि शारदा देवी का विवाह बिहार के बेगुसराय के रूंगटा परिवार में सन 1959 में हुआ।

काशीराम जी के बड़े पुत्र सुशील कुमार पत्नि बिन्दु [redacted] का विवाह 1973 में बेगूसराय कालान्तर में राजस्थान (बांटी दुर्ई) में हुआ। पहले छपरा में नमक का व्यवसाय और बाद में गुजरात के सूरत में कपड़ा व्यवसाय कर रहे हैं। द्वितीय पुत्र विमल कुमार पत्नि प्रमिला देवी का विवाह 1975 में पटना मित्तल परिवार में हुआ। पहले छपरा में कपड़ा व्यापार, फिर बहराइच में बिजली सामान दुकान

फिर गुजरात के सूरत में कपड़ा व्यवसाय। जुगल किशोर के बड़े पुत्र अशोक कुमार का विवाह 1974 में पत्नि पद्मा लाठ परिवार छपरा (कालान्तर में वर्तमान पाली राजस्थान) में हुआ। व्यवसाय जामनगर में नमक का। दूसरे पुत्र सुरेश कुमार का विवाह 198[illegible] में पत्नि बीना देवी से जबलपुर (यू.पी.) खेमसरिया परिवार में हुआ। व्यवसाय नमक का जामनगर गुजरात में, बाद में पीतल पार्ट्स निर्माता। धर्मनाथ प्रसाद के बड़े पुत्र सुनील कुमार पत्नि रेखा का विवाह 1984 में बेतिया में हुआ। व्यवसाय छपरा में कपड़े का, फिर पटना में कपड़े का। द्वितीय पुत्र सुधीर कुमार का विवाह पत्नि लीना से कानपुर में हुआ। पहले छपरा में कपड़ा व्यवसाय, फिर कानपुर में कपड़ा व्यवसाय और बाद में सूरत में व्यवसाय। नन्द किशोर के दत्तक पुत्र रमेश कुमार का विवाह 1983 में पत्नि मीरा (पुष्पा) राजगढ़िया परिवार रांची में हुआ। व्यवसाय पहले पटना में फिनायल फैक्ट्री एवं ब्रेड फैक्ट्री, बाद में अहमदाबाद में ब्रेड फैक्ट्री एवं आटा फैक्ट्री। नन्द किशोर [illegible] 1962 में इलेक्ट्रिकल इंजिनियर बनकर बिहार स्टेट इलेक्ट्रिसीटी बोर्ड में 36 वर्षों तक नौकरी करने के बाद 1998 विद्युत सुपरिन्टेन्डिंग इंजिनीयर पद से रिटायर होकर पेन्सन ले रहे हैं।

बिहारीलाल जी के दत्तक पुत्र श्याम सुन्दर पत्नि पुष्पा पहले महराजगंज में व्यवसाय किए और बाद में गोरखपुर डिस्ट्रिब्यूसन का काम कर रहे हैं। बड़ा पुत्र अमित गोरखपुर व्यवसाय में है तथा दूसरा पुत्र सुमित सूरत में।

कुन्जलाल जी के बड़े पुत्र श्यामलाल पत्नि मीरा का विवाह रामनगर हुआ। पहले व्यवसाय महराजगंज में और बाद में सूरत में। दूसरे पुत्र श्याम शरण पत्नि चन्दा का विवाह मोतीपुर (बिहार) में हुआ पहले मऊ में नौकरी और बाद में सूरत में व्यापार।

लीलाधर जी के बड़े पुत्र मोहन लाल का विवाह भोपालका परिवार में कटिहार में हुआ। इनकी असमय मृत्यु हो गयी। दो पुत्र एवं दो पुत्री हैं। सब का विवाह हो गया है, संतानें हैं। (*) दूसरे पुत्र राधेश्याम पत्नि पुष्पा को एक पुत्र एवं 4 पुत्रियां हैं। छपरा में कपड़े का व्यवसाय है। (*) छपरा में दवा एवं कोटा राजस्थान में लकड़ी का व्यवसाय है। तीसरे पुत्र संतोष कुमार पत्नि मंजू का विवाह गोरखपुर में हुआ। महराजगंज में व्यवसाय, फिर गोरखपुर में व्यवसाय, असमय मृत्यु। पुत्र मनीष सूरत में व्यवसाय कर रहा है। चतुर्थ पुत्र प्रमोद कुमार पत्नि सभा का विवाह बेतिया में हुआ। व्यवसाय पहले कपड़े का छपरा में, बाद में सूरत में, वर्तमान में पूना में लड़का जॉब में है।

नन्द किशोर जगनानी

नोट: इसमें सुधार एवं डिटेल जोड़ना हो तो जोड़ देना।